देश की जनता को अपनी आय में से देना ही
इसके बदले में सैधांतिक अथवा वैधानिक आध
राज्य द्वारा किसी वस्तु या सेवा को देना आवश्य
करों से राजस्व एकत्रित होता है
कर आर्थिक समता लाने के लिए लगाए जाते

करापात –

वह बिन्दु जहाँ कर लगता हुआ
रखता है, जैसे – VAT का व्यापारी पर लगना

कराघात –

जिसके द्वारा भुगतान किया जाए

प्रत्यक्ष कर	लगाए गए कर	अप्रत्यक्ष कर

प्रत्यक्ष कर

ऐसा कर जिसमें करापात और कराघात दोनों एक ही बिन्दु पर हो, अर्थात जिन लोगों पर ये कर लगाए जाते हैं उसे ही चुकाना पड़ता है।

इस प्रकार के कर के भार को अन्य लोगों पर स्थानांतरित नहीं किया जा सकता।

- आय कर
- निगम कर
- MAT — छोटी कंपनियों के मुनाफे पर लगने वाला tax जो विभिन्न प्रकार की कटौतियों का लाभ उठाकर Corporate tax देने से बच जाते हैं।

- संपत्ति कर
- उपहार कर
- ब्याज कर
- एस्टेट ड्यूटी (Estate duty)
- ये अब नहीं लगते।

- Capital Gain Tax

अप्रत्यक्ष कर

करापात और कराघात दोनों अलग-अलग बिन्दुओं पर होते हैं। लगता किसी पर है चुकाता कोई और है।

चेलैया समिति की सिफारिश पर 88 वें संवैधानिक संशोधन द्वारा संघ सूची में शामिल इस कर की शुरुआत 1994-95 में की गई थी।

नकारात्मक सूची के बाहर में आने वाली सेवाओं पर

- सेवा कर
- सीमा शुल्क — आयातों पर लगता है। इसे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में बाधा माना जाता है। WTO इसे आयात पर शुल्क कहता है। घरेलू उद्योगों का संरक्षण इसका उद्देश्य होता है न कि राजस्व संग्रहण
- केन्द्रीय बिक्री शुल्क
- केन्द्रीय उत्पाद शुल्क
- समाचार पत्र पर कर

ये कर सामान्यतः वस्तुओं और सेवाओं पर लगते हैं इसलिए इनका भार निम्न वर्ग पर भी पड़ता है जिस कारण इनकी

→ राज्यों द्वारा कोई प्रमुख प्रत्यक्ष कर नहीं लगाया जाता। लेकिन भू-राजस्व और कृषि आय पर कर राज्यों द्वारा लगाये जाते हैं।

राज्यों के अप्रत्यक्ष कर —

- राज्य उत्पाद कर —
  - शराब के उत्पादन पर
  - दवा या प्रशाधन सामग्री जिसमें Alcohol का प्रयोग होता है।
- बिक्री कर
- प्रवेश कर —
  - वस्तुओं एवं यात्रियों के प्रवेश पर कर

VAT (VALUE ADDED TAX) —— (अप्रत्यक्ष कर)

वस्तुओं एवं सेवाओं के उत्पादन श्रृंखला तथा विक्रय की प्रक्रिया में जोड़े जाने वाले मूल्य पर लगने वाला कर। (वस्तुओं के मूल्य-वर्धन के प्रत्येक चरण पर लगता है)

भारत के ज्यादातर राज्यों में बिक्री कर की जगह VAT ने ले ली है।

केन्द्र अथवा राज्य सरकारें किसी कर को VAT में बदल सकती है।

1954 में सर्वप्रथम फ्रांस में।

2003 में हरियाणा अपनाने वाला पहला राज्य।

उपभोक्ता वर्ग पर VAT का सकारात्मक प्रभाव पड़ा है क्योंकि प्रति इकाई कर भार कम होने से वस्तुएँ सस्ती हो जाती हैं और उपभोग बढ़ता है।